विषय सूची

पहिला अध्याय
सत्यदृष्टि

विषय	पृष्ठ
मंगलाचरण	११
भगवान सत्य	१२
सत्येश्वर की साधना	१३
सत्येश्वर का दर्शन	"
रूपदर्शन	१४
गुणदेव	"
दुर्गुणदेव	१५
गुणदर्शन	१६
निष्पक्षता	"
स्वत्वमोह	"
कालमोह	१९
प्राचीनता मोही वैद्य	"
नवीनता मोह	२३
परीक्षकता	"
विचारकता	२४
अदीनता	"
परीक्षा के पांच भेद	२५
प्रमाण ज्ञान	२८
शास्त्र का उपयोग	"
सत्योपम शास्त्र	२९
प्रत्यक्ष का उपयोग	३०
अनुभव की दुहाई	३१
तर्क प्रमाण	३२
समन्वयशीलता	३८

दूसरा अध्याय
ध्येयदृष्टि

अन्तिम ध्येय	४२
ध्येय और उपध्येय	"
स्वतन्त्रता उपध्येय	"
शान्ति उपध्येय	४३
मोक्ष उपध्येय	"
ईश्वर प्राप्ति उपध्येय	४५
सुख और पाप	५०
निजसुख और सर्वसुख	५१
न्यायदेवता की कथा	५४
सुदागमता	५६

तीसरा अध्याय
मार्ग दृष्टि

सुख दुःख विचार	६८
दुःख विचार	"
छः शारीरिक दुःख	६९
छः मानसिक दुःख	"
सुख विचार	७१
आठ आनन्द	"
उपाय विचार	७३
दुःख सुख श्रेणियाँ	"
एकसाँ आठ दुःख	७५
सुखोपाय	८३
बहुत्तर सुख	"
दस महत्त्व	८६

चौथा अध्याय
योग दृष्टि

योग चतुष्टय	९२
भक्तियोग	९३
ज्ञानभक्ति	९४
स्वार्थभक्ति	"
अन्धभक्ति	९६
सन्यासयोग	९७
विद्यायोग	१००
कर्मयोग	१०२

पांचवाँ अध्याय
लक्षण दृष्टि

विवेक	१११
गुरुमूढता	"
गुरु की तीन श्रेणियाँ	११२
कुगुरु अगुरु	११४
शास्त्र मूढता	११७
देवमूढता	१२०
लोकमूढता	१२३
धर्मसमभाव	१२५
धर्म समभाव के ८ लाभ	१२६
दस तरह के सम्प्रदाय	१३०
धर्म सस्ता क्यों	१३६
तरतमता और द्वन्द्व	१३८
सन्मान सूचनाएँ	१४०
धर्मशास्त्र की मर्यादा	१४५
ईश्वरवाद	१४८
आत्मवाद	१४९
सर्वज्ञवाद	१५०
मुक्तिवाद	"
द्वैताद्वैतवाद	१५१
नित्यानित्यवाद	"
धर्म में उचित परिवर्तन	१५२
विशाल दृष्टि	१५२
मूर्ति	१५५
अनुदारता के संस्कार	"
सर्वज्ञता की उचित मान्यता	१५६
जातिसमभाव	१५८
रंगभेद	१६०
राष्ट्रभेद	१६२
वृत्तिभेद	१६६
उपजाति कल्पना	१७३
व्यक्तिसमभाव	१७८
स्वोपमता	"
चिकित्स्यता	"
अवस्थासमभाव	१८०
नाट्यभावना	१८१
क्षणिकत्वभावना	१८३
लघुत्वभावना	"
महत्त्वभावना	१८४
अनृणत्वभावना	"
कर्तव्यभावना	"
अद्वैतभावना	१८५
योगी की लब्धियाँ	"
विपद् विजय	"
विरोध विजय	१८६
उपेक्षा विजय	"
प्रलोभन विजय	१८७
निर्भयता	"
भक्तिभय	१८८
विरक्तिभय	"
अपायभय	"
दस तरह के भय	१९०
अकषायता	१९२

विषय सूचा

छट्ठा अध्याय

जीवन दृष्टि

अंवार्य जीवन	१६३
,, बारह भेद	१६७
भक्त जीवन (११ भेद)	२००
वयोजीवन (आठ भेद	२०६
कर्तव्यजीवन (छः भेद)	२११
अर्थजीवन (छः भेद)	२१६
चार तरह का विनोद	२१६
प्रेरणा जीवन (पांच भेद)	२१९
जीविका जीवन (१२ भेद)	२२६
यशोजीवन (९ भेद)	२२६
लिंगजीवन (तीन भेद)	२३२
नपुंसक	२३३
नरनारी	,,
एकलिंगी जीवन	२३९
नारीदोष मीमांसा	२३९
उभयलिंगी जीवन	२४५
यत्न जीवन (तीन भेद)	२४७
दैव और यत्न	२४९
शुद्धि जीवन (चार भेद)	२५२
जीवन जीवन (दो भेद)	२५७
पांच भेद	२५८
दृष्टि कांड का उपसंहार	२६०